प्रतिदर्श प्रश्नपत्र
वर्ष– 2023–24
विषय– इतिहास (110)
कक्षा– XII

समयः 3 घण्टे पूर्णांक– 80

निर्देशः (I) इस प्रश्नपत्र में कुल 25 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(II) प्रश्नों हेतु निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

(III) प्रश्न संख्या 1 बहुविकल्पीय प्रश्न है। इसके 10 खण्ड हैं, प्रत्येक खण्ड के उत्तर में चार विकल्प दिए गये हैं, सही विकल्प छाँटकर उत्तर लिखें। प्रश्न संख्या 2 से 7 तक निश्चित उत्तरीय प्रश्न हैं। एक शब्द में उनका उत्तर दें। ?

(IV) प्रश्न संख्या 8 से 11 तक प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में दीजिए।

(V) प्रश्न संख्या 12 से 18 तक प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 125 शब्दों में दीजिए।

(VI) प्रश्न संख्या 19 से 23 तक प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

(VII) प्रश्न संख्या 24 स्रोत आधारित प्रश्न है। इसे ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(VIII) प्रश्न संख्या 25 से सम्बन्धित मानचित्र को भरकर उत्तर पुस्तिका में संलग्न कीजिए।

1 (क) हड़प्पा सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु है– 1

(अ) मनके (ब) मुहर (स) फयॉ'न्स (द) वृषभ

(ख) मौर्य साम्राज्य का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक केन्द्र था– 1

(अ) तक्षशिला (ब) उज्जयिनी (स) पाटलिपुत्र (द) सुवर्णगिरि

(ग) धर्मसूत्रों व धर्मशास्त्रों के अनुसार ब्राहम्मणों का कार्य था– 1

(अ) व्यापार करना (ब) वेदो की शिक्षा देना (स) सेवा करना (द) न्याय करना

(घ) साँची का स्तूप निम्न में से किस राज्य में स्थित है– 1

(अ) बिहार (ब) राजस्थान (स) मध्यप्रदेश (द) उड़ीसा

(ड़) निम्न कथनों की विवेचना करें– 1

कथन (I) : हड़प्पा संस्कृति में नालियों की व्यवस्था उत्तम थी।

कथन (II): नालियां इस तरह बनी थीं कि उनकी सफाई आसानी से हो सकें।

(अ) (I) एवं (II) कथन सही है। (II) कथन (I) कथन की सही व्याख्या है।

(ब) (I) व (II) कथन सही है। लेकिन दूसरा कथन पहले कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(स) (I) कथन सही व (II) दूसरा कथन गलत है।

च– रिह्ला किसका ग्रन्थ है– 1

(अ) अलबिरूनी (ब) इब्नबतूता (स) बर्नियर (द) इनमें से कोई नहीं

छ– अमुक्तमल्यद नामक ग्रन्थ किस शासक ने लिखा– 1

(अ) देवराय । (ब) विरूपाक्ष (स) कृष्णदेव राय (द) देवराय ।

ज– संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था– 1

(अ) सिद्धू (ब) कान्हू (स) दोनो ने (द) इनमें से किसी ने नहीं

झ– करो या मरो का नारा किस आन्दोलन में दिया गया– 1

(अ) असहयोग आन्दोलन (ब) सविनय अवज्ञा आन्दोलन (स) भारत छोड़ो आन्दोलन

ञ– निम्न कथन की विवेचना करें– 1

कथन (I) –गॉधी जी ने चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक माना।

कथन (II) – चरखा गरीबों को रोजगार प्रदान कर स्वावलम्बी बना सकता था।

(अ) कथन (I) व (II) दोनों सही हैं।

(ब) कथन (I) गलत व (II) सही हैं।

(स) दोनो कथन गलत हैं।

प्रश्न 2– सम्राट अशोक के अधिकांश अभिलेख किस भाषा में हैं? – 1

प्रश्न 3– बौद्ध धर्म से जुड़े पवित्र टीलों को क्या कहा जाता है?– 1

प्रश्न 4–बर्नियर के ग्रन्थ का क्या नाम है?– 1

प्रश्न 5–अलवार परम्परा की स्त्री भक्त का नाम बताइये?– 1

प्रश्न 6– फ्रॅासिस बुकानन कौन था?– 1

प्रश्न 7– दांडी यात्रा गांधी जी के किस आश्रम से प्रारम्भ हुई थी?– 1

प्रश्न 8– भगवद्गीता क्या है?– 2

प्रश्न 9– खुदकाश्त एवं पाहिकाश्त से आप क्या समझते हैं?– 2

प्रश्न 10– 1857 ई0 के विद्रोह का तात्कालिक कारण क्या था?– 2

प्रश्न 11– संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज का प्रस्ताव किसने प्रस्तुत किया था तथा इस सन्दर्भ में क्या कहा था?– 2

प्रश्न 12– हड़प्पा सभ्यता की लिपि को रहस्यमय क्यों कहा गया है? इस लिपि की विशेषताऍ बताइये। 3

प्रश्न 13– मगध सर्वाधिक शक्तिशाली महाजनपद कैसे बना? स्पष्ट करे।– 3

प्रश्न 14– बर्नियर के अनुसार राज्य का भूस्वामित्व कृषि के विकास पर विनाशकारी प्रभाव डालता है? स्पष्ट कीजिए।–

अथवा

किस हद तक भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाने वाली मस्जिदों का स्थापत्य स्थानीय परिपाटी तथा सार्वभौमिक आदर्शो का सम्मिश्रण है?– 3

प्रश्न 15– अमर नायक प्रणाली से आप क्या समझते है?स्पष्ट करें।– 3

प्रश्न 16– मुगलकालीन जाति पंचायतें क्या थीं तथा उनके कार्यो का वर्णन करें?– 3

अथवा

विजयनगर के किलेबन्द क्षेत्र में कृषि क्षेत्र को रखने के आपके विचार में क्या फायदे और नुकसान थे?– 3

प्रश्न 17– सहायक सन्धि क्या थी? इसके मुख्य बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए।– 3

प्रश्न 18– खिलाफत आन्दोलन क्या था? गॉधी जी ने इसे असहयोग आन्दोलन का अंग क्यो बनाया?

अथवा

उद्वेश्य प्रस्ताव में किन आदर्शो पर जोर दिया गया था?

प्रश्न 19– महाभारत का एक ही रचयिता था? इस सन्दर्भ में चर्चा कीजिए– 5

अथवा

सॉची की मूर्तिकला को समझने में बौद्ध साहित्य के ज्ञान से कहॉ तक सहायता मिलती है?

प्रश्न 20–वर्णित काल में कृषि के तौर तरीके किस हद तक परिवर्तित हुए?– 5

प्रश्न 21– जाति व्यवस्था के सम्बन्ध में अलबिरूनी की व्याख्या पर चर्चा कीजिएं– 5

अथवा

क्यों और किस तरह शासकों ने नयनार व सूफी सन्तों से अपने सम्बन्ध बनाने का प्रयास किया

प्रश्न 22–सोलहवी तथा सत्रहवीं शताब्दी में जंगलवासियों की जिन्दगी किस तरह बदल गई?– 5

प्रश्न 23– अवध में विद्रोह इतना व्यापक क्यो था? किसान, ताल्लुकदार और हमींदार उसमें क्यों शामिल हुए?– 5

अथवा

असहयोग आन्दोलन एक तरह का प्रतिरोध कैसे था?

प्रश्न 24–दिये गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िये व दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (स्रोत–पाठ्य पुस्तक पृष्ठ सं0 417)– 5

" अंग्रेज तो चले गए, मगर जाते–जाते शरारत का बीज बो गए "

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था–

यह दोहराने का कोई मतलब नहीं है कि हम पृथक निर्वाचिका की मॉग इसलिए कर रहे है, क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं और इसी के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र है। क्या आप मुझे एक भी स्वतन्त्र देश दिखा सकते हैं जहॉ

पृथक निर्वाचिका हो? अगर आप मुझे दिखा दे ंतो मैं आपकी बात मान लूँगा। लेकिन अगर इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी प्रथक निर्वाचिका की व्यवस्था रखी गई तो यहॉ जीने का कोई मतलब नहीं होगा। इसलिए मैं कहता हूँ कि यह सिर्फ मेरे भले की बात नहीं है बल्कि आपका भला भी इसी में है कि हम अतीत को भूल जाएँ। एक दिन हम एकजुट हो सकते है। अंग्रेज तो चले गए। मगर जाते–जाते शरारत का बीज बो गए है। हम इस शरारत को और बढ़ना नहीं चाहते । (सुनिए, सुनिए), जब अंग्रेजों ने विचार पेश किया था। खैर कोई बात नहीं। मगर अब वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं। अब हम इससे बाहर निकलेंगे या नहीं?

1–पृथक निर्वाचिका से क्या आशय है?

2–प्रस्तुत उद्धरण में किस नेता ने संविधान सभा में प्रथक निर्वाचिका का विरोध किया?

3–सरदार पटेल ने पृथक निर्वाचिका के विरोध में अन्य राष्ट्रों से सम्बन्धित क्या बात कही?

4–पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था के कारण देश को कौन सा घातक परिणाम भुगतना पड़ा?

5–सरदार पटेल के अनुसार पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था किसकी शरारत थीं?

प्रश्न 25– दिए गए भारत के रेखा मानचित्र (राजनैतिक) पर ऐतिहासिक महत्व के निम्नलिखित स्थानों को अंकित कर उनके नाम भी लिखिए।– 5

क– नागेश्वर ख– पाटलिपुत्र ग– अजमेर घ– मेरठ ङ– डाण्डी

नोट– परीक्षा में प्रश्न हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पूछे जायेंगे ।